भ्रमण आख्या

दिनांकः 29–31 मई, 2017 **जनपद– फिरोजाबाद**

मिशन निदेशक महोदय द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में दिनांक 29–31 मई, 2017 को सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु भ्रमण किया गया। भ्रमण टीम महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट, सलाहाकार, प्रोक्योरमेंट एवं कार्यक्रम समन्वयक, कम्युनिटी प्रोसेस द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसके अतिरिक्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आर0सी0एच0), मण्डलीय परियोजना प्रबंधक एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा उक्त भ्रमण में सहयोग प्रदान किया गया।

जनपद फिरोजाबाद के 7 चिकित्सा इकाईयों का भ्रमण किया गया तत्पश्चात दिनांक 31 मई, 2017 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षिका एवं समस्त चिकित्सा अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। भ्रमण के दौरान निरीक्षण किये गये बिन्दुओं पर महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारियों को अवगत कराया गया। साथ ही सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये गये।

टीम–

1. डा0वेद प्रकाश, महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट
2. डा0रोली श्रीवास्तव, सलाहाकार, प्रोक्योरमेंट
3. भूपेश कुमार भाष्कर, कार्यक्रम समन्वयक, कम्युनिटी प्रोसेस

सहयोग–

1. डा0एस0के0एस0 राना, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आर0सी0एच0)
2. श्री पवन कुमार, मण्डलीय परियोजना प्रबंधक
3. श्री सरजू खान, जिला कार्यक्रम प्रबंधक

चिकित्सा इकाई–

1. संयुक्त चिकित्सालय, शिकोहाबाद
2. जिला महिला चिकित्सालय, फिरोजाबाद
3. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (एफ0आर0यू0), जसराना
4. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अरांव
5. नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र, हिमायूपुर

6. नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र, रामनगर
7. उपकेन्द्र–मदावरी, सामु0स्वा0केन्द्र–टूण्डला, विकास खण्ड–टूण्डला

<u>निरीक्षण के मुख्य बिन्दु–</u>

1. **स्वच्छता एवं भवन की स्थिति–**
   - भ्रमण किये गये स्वास्थ्य इकाईयों में साफ–सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी और भवनों की स्थिति भी सही है।
2. **प्रचार–प्रसार–**
   - राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमो से सम्बन्धित पोस्टर, सिटीजन चार्टर, ई0डी0एल0 एवं दीवार लेखन आदि यथा स्थान प्रदर्शित किये गये हैं।
   - ऑडियो/विजुअल एड भी टी0वी0 के माध्यम से प्रचार–प्रसार की सुविधा उपलब्ध थी।
3. **वाहन की कमी–**
   - पूर्व में हुई जाँचों एवं एफ0आई0आर0 के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में नियुक्त वाहनों को हटाया गया था एवं उसके पश्चात सेवा प्रदाता द्वारा आवश्यकतानुसार समस्त वाहन उपलब्ध नहीं कराये जा सकें हैं।
   - राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत एक ही वाहन उपलब्ध है और एक ही वाहन से दो टीमें क्षेत्र में भ्रमण कर रही है, लेकिन वाहन की कमी होने के बावजूद भी कार्यक्रम पर इसका कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ रहा है।
   - अनुश्रवण एवं मूल्यांकन के अंतर्गत ब्लॉक स्तर पर वाहन की कमी होने के कारण सहयोगात्मक पर्यवेक्षण नहीं किया जा पा रहा है।

     महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट द्वारा निर्देशित किया गया कि अन्य संसाधनों द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण (ब्लॉक स्तरीय) नियमित से किया जाये।
4. **एम्बुलेंस–**
   - सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जसराना एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अरांव में 102 व 108 एम्बुलेंस वाहनों में कमियाँ पायी गई। कुछ एम्बुलेंस में हुटर कार्य नहीं कर रहा, सेक्शन मशीन खराब है, स्ट्रेचर टूटा हुआ है, ए0सी0 क्रियाशील नहीं है, वाहन में प्रवेश करने हेतु स्टेप टूटा हुआ है एवं टायरों की स्थिति दयनीय है, किन्तु लम्बे समय से ठीक नहीं कराया गया है।

     महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट द्वारा निर्देश दिये गये कि प्रभारी चिकित्सा अधिकारी पत्र के माध्यम से मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ऐसे अनियमितताओं से अवगत करायें ताकि सेवा प्रदाता से समन्वय कर कमियों को दूर किया जा सके।

5. **जे0एस0वाई0–**

- संयुक्त चिकित्सालय, शिकोहाबाद में फण्ड उपलब्ध न होने के कारण 1 अप्रैल, 2017 से लाभार्थियों को भुगतान नहीं किया जा रहा है।
- जे0एस0वाई0 के अंतर्गत टैली शीट में लाभार्थी को डिस्चार्ज करते समय अंकित नहीं किया जा रहा है।

6. **शहरी स्वास्थ्य–**

- नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र, हिमायूपुर में ए0एन0सी0 के अंतर्गत हीमोग्लोबिन की जाँच नहीं की जा रही है जिसका कारण हीमोग्लोबिन किट की कमी बतायी गई। उक्त से मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अवगत कराया गया।

  मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा रोष व्यक्त करते हुए नोडल ऑफीसर, नगरीय स्वास्थ्य केन्द को जल्द से जल्द जनपदीय स्टोर से एच0बी0 किट लेने के लिए निर्देशित किया गया।
- नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र, हिमायूपुर में मेडिकल ऑफीसर को राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस की जानकारी नहीं है।
- नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र, हिमायूपुर किराये के मकान में स्थापित होने के कारण बायो वेस्ट मैनेजमेंट के निस्तारण की व्यवस्था नहीं है। अतः डिलेवरी प्वाइंट होने एवं समस्त संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद भी प्रसव नहीं कराये जा रहे हैं।

  नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यरत समस्त चिकित्सा अधिकारियों को विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी दिये जाने की आवश्यकता है।

7. **नियमित टीकाकरण–**

- चिकित्सा इकाईयों में समस्त नवजात शिशुओं को बी0सी0जी0 डोज नहीं लगायी जा रही है। जिसका कारण बताया गया कि न्यूनतम 4 नवजात शिशुओं के होने के बाद ही वायल खोले जाते हैं। एक शिशु के लिए वायल नहीं खोला जाता।

  महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट द्वारा सुझाव दिया गया कि हर एक बच्चे का टीकाकरण जरूरी है। अतः इकाई पर ही बर्थ डोज लगा दें।
- वी0एच0एन0डी0 सत्र में आइस पैक को वैक्सीन कैरियर से बाहर निकालना है या नहीं इसकी जानकारी ए0एन0एम0 को नहीं थी।

  महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट द्वारा अवगत कराया गया कि नियमित टीकाकरण दिशा–निर्देश का पालन करते हुए वी0एच0एन0डी0 सत्र में एक आइस पैक को बाहर निकालकर पोलियो,

मीजिल्स एवं बी0सी0जी0 को उसके ऊपर रखा जाये। इस सम्बन्ध में समस्त कार्यकत्रियों, पर्यवेक्षकों एवं चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षित किये जाने की आवश्यकता है।

8. संदर्भन–

- सी0आर0एम0 द्वारा किये गये राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के पर्यवेक्षण के दौरान पाया गया था कि संदर्भन नहीं हो रहा है। इस सम्बन्ध में एन0एच0एम0 टीम ने भ्रमण के दौरान सुधार पाया।
- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्र में चिन्हित किये गये कुपोषित एवं Congenital Anomaly बच्चों को जिला महिला चिकित्सालय में स्थापित पोषण पुर्नवास केन्द्र हेतु संदर्भित किया जा रहा है। आंगनवाड़ी द्वारा भी चिन्हित किये गये कुपोर्षित बच्चों को पोषण पुर्नवास केन्द्र हेतु संदर्भित किया जा रहा है।
- संदर्भन की स्थिति संतोषजनक पायी गयी, किन्तु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जसराना एवं टूण्डला में एक वर्ष से कम शिशुओं जिनमें Congenital Anomaly है उनका संदर्भन नहीं हो रहा है।

9. एच0आर0पी0 की रिर्पोटिंग–

- चिकित्सा अधिकारियों द्वारा एच0आर0पी0 की पहचान की जा रही है, जैसे– Severe Anemia, डायबिटीज एवं हाई बी0पी0 आदि एवं श्रेणियों में वर्गीकृत भी किया जा रहा है, परन्तु मासिक रिपोर्ट में Severe Anemia के अतिरिक्त अन्य एच0आर0पी0 को अन्य के रूप में अंकित किया जा रहा है।

  उक्त के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि वर्गीकृत केसों को श्रेणियों के अनुसार ही रिपोर्ट किया जाये।
- नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र, रामनगर में महिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा एच0आर0पी0 की पहचान और रिर्पोटिंग का कार्य सराहनीय है।

10. आई0डी0एस0पी0–

- अधिकांश चिकित्सा अधिकारियों द्वारा ओ0पी0डी0 पंजिका में रोगियों का डायग्नोसिस अंकित नहीं किया जा रहा है।

  उक्त के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि ओ0पी0डी0 रजिस्टर में डायग्नोसिस कॉलम बनाकर Dignosis/Chief Complaint अंकित किया जाये जिससे मासिक रिर्पोटिंग एवं आई0डी0एस0पी0 रिर्पोटिंग में सुधार लाया जा सके।

11. ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस–

- उपकेन्द्र–मदावरी, सामु0स्वा0केन्द्र–टूण्डला, विकास खण्ड–टूण्डला में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के दौरान ए0एन0एम0 एच0आर0पी0 का रजिस्टर नहीं ला रही। पूछे जाने पर बताया गया कि रजिस्टर काफी भारी है। इस कारण एच0आर0पी0 केस की ट्रैकिंग की कोई व्यवस्था नहीं पायी गयी।

  महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट द्वारा निर्देशित किया गया कि ए0एन0एम0, एच0आर0पी0 केस की सूची वी0एच0एन0डी0 सत्र पर जरूर रखे।

12. औषधि की कमी–

- जिला महिला चिकित्सालय में आई0एफ0ए0 टैबलेट (लाल) उपलब्ध नहीं पायी गयी।

  सुझाव दिया गया कि आर0सी0 के तहत आई0एफ0ए0 टैबलेट (लाल) उपलब्ध करायी जाये।
- जिला महिला चिकित्सालय एवं नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र में जिंक टैबलेट उपलब्ध नहीं है।

  डी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि एक सप्ताह के अन्दर जिंक टैबलेट उपलब्ध करा दी जायेगी।

13. मानव संसाधन की कमी–

- चिकित्सा अधिकारियों द्वारा बैठक में अवगत कराया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में ए0एन0एम0 की कमी है जबकि कुछ स्वास्थ्य इकाईयों (नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र) पर अतिरिक्त ए0एन0एम0 नियुक्त हैं। (रिक्त स्थान मदनीपुर–7, खैरागढ़–4, धनपुर–2, एका–2 एवं टूण्डला–2)

  उपरोक्त के सम्बन्ध में सुझाव दिया गया कि कार्यरत अतिरिक्त ए0एन0एम0 को ऐसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्थानांतरित कर दिया जाये, जिससे मानव संसाधन का समुचित उपयोग हो सके।

14. आर0के0एस0–

- राज्य स्तर से मुद्रित कराकर दिये गये आर0के0एस0 रजिस्टर का प्रयोग सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जसराना एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अरांव में नहीं किया जा रहा है। अलग से रजिस्टर बनाकर उस पर कार्यवाही आदि लिखा जा रहा है। आर0के0एस0 बैठक की कार्यवृत्त सी0आर0एम0 भ्रमण के बाद से ही उपलब्ध नहीं है।

निरीक्षण किये गये बिन्दुओं पर चर्चा उपरांत मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा आश्वस्त किया गया कि दिये गये सुझावों पर अमल कर सुधार लाया जायेगा। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया।

Bhupesh Kr. Bhaskar
(Bhupesh Kr. Bhaskar)
Program Coordinator

Roli
(Consultant- Procurement)

डा0 वेद प्रकाश
महाप्रबंधक, (प्रोक्योरमेण्ट)